RNI- MPHIN/2019/81146

वॉइस ऑफ झाबुआ

शब्द लौटायेंगे झाबुआ की शान...

वर्ष - 03 अंक- 47 झाबुआ , प्रति मंगलवार, 11 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -6

जरा गाडी के कांच उतार के तो देखों नेताजी..!

जिनके द्वार खडे थे आप वोटों की भीख मांगने...!

वो रोजगार की तलाश में दर दर भटकने को है मजबुर..!

आदिवासी क्षेत्र में धारा 275 के अंतर्गत आने वाला पैसा भी हो जाता है पूरा लेप्स..?

वॉइस ऑफ झाबुआ निलेश डावर/रमेश चौहान

झाबुआ अलीराजपुर दो ऐसे आदिवासी पीछडे जिले जहां ग्रामीणों को रोजगार के दर दर भटकने के साथ साथ पलायन करने को मजबुर होना पडता है। मगर यहां इनकी कोई सुध लेने वाला कोई नही है। झाबुआ अलीराजपुर जिले में अधिकांशत: ग्रामीण खेती पर निर्भर रहते है। ऐसे में अपने परिवार को पालने के लिए ग्रामीणों को मजबुर होकर पलायन करना पडता है। यहां न तो सरकारी महकमा पलायन रोकने के लिए कोई अथक प्रयास नही कर रहा है वहीं इन गरीब ग्रामीणों के द्वार खडे रह कर बडे बडे वादे कर वोटों की भीख मांगने वाले नेता चुनाव जीतने के बाद गांव से गुजरते समय अपने गाडियों के कांच तक नीचे नही करते है। ऐसे में आस किससे करे बस यही लगता है अब बदलाव की जरूरत है।

दो जुन की रोटी के चक्कर में ग्रामीणों का पलायन दिन ब दिन बढता ही जा रहा है... और चुनाव जीतने के चक्कर में नेता बडे बडे वायदे तो कर देते है मगर धरातल पर कुछ नही होता है। दोनों जिलों में गरीबी और बेरोजगारी इनती बढ गई है कि लोगों अपने साल के कई महिनों गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों में रोजगार की तलाश में निकल पडते है। नेताओं ने भी इन रोजगार की समस्या को मजाक बना डाला है और ये कहते नजर आते है लोग पलायन नही करते वो तो मोज मस्ती के लिए निकलते है ऐसे नेताओं को शर्म आनी चाहिए उन्ही के आदिवासी भाई बहन दुसरे राज्यों में जाकर दो जुन की रोटी की जुगाड कर रहे है। अपने पुरे परीवार के साथ खरीफ की फसल समेट कर परिजनों को रबी की फसल सौंपकर पलायन करने वाले आदिवासी भाई बहन दिवाली और होली पर्व पर ही अपने छोटे आशियाने पर लौटते है।

और इन पलायन की वजह से ही झाबुआ अलीराजपुर जिले में शिक्षा का स्तर गिरता ही जा रहा है या तो बच्चे अपने परिवार के साथ पलायन पर चले जाते है या फिर किसी अन्यत्र परिजन के यहां ऐसे में वो शिक्षा भी ग्रहण नही कर पाते है।

हाल ही में झाबुआ की एक घटना से आप सभी वाकिफ हो

गौरतलब है कि मालवा अंचल में सोयाबीन और उड़द की कटाई शुरू हो चुकी है। मजदूरों ने बताया गांव में पंचायत कोई काम नहीं कर रही है। पेट की भूख मिटाने के लिए गांव और घर परिवार छोड़ना उनकी मजबूरी है। यहां रोजगार मिल जाए तो उन्हे अपना घर और गांव छोड़ने का शौक थोड़े ही है। वहीं बिजली संकट के कारण कृषक इक्का-दुक्का परिवार के सदस्यों को अपना घर सुपुर्द कर पलायन कर रहे हैं। संपूर्ण अलीराजपुर, झाबुआ जिले के साथ पेटलावद क्षेत्र के आदिवासी बड़ी संख्या में गुजरात की ओर पलायन कर रहे हैं। अधिकांश मामलों में बाहर वे ही आदिवासी जाते हैं, जिनके पास रबी फसल के लेने का कोई साधन नहीं है या फिर गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। दूसरे वे जो स्थायी रूप से हर वर्ष मजदूरी के लिए जाते हैं। इन मजदूरों को सरलता से काम मिलना व उनकी अच्छी आजीविका को देखते हुए दूसरे लोग भी पलायन कर अपना जुगाड़ कर लेते हैं।

क्षेत्र तासीर बन चुकी है पलायन

अंचल का आदिवासी मजदूर वर्षभर रोजगार की तलाश में पलायन करता है। यह अलीराजपुर और झाबुआ जिले की तासीर बन चुकी है, किंतु आने वाले दिनों में यही सरकार और प्रशासन के लिए जी का जंजाल भी बनेगी। सैकड़ों गांवों के आदिवासी मजदूर अपने खेतों में काम न होने तथा गांव में सरकारी योजनाओं के माध्यम से काम शुरू न होने से परेशान हैं।

राघवेन्द्र सिंह

क्या जिले के दोनों जिलाधीश महोदय करेंगे कोई पहल

नेताओं की तो बात छोडे वो तो निठल्ले है 5 साल बाद फिर हाथ जोड कर वोटों की भीख मांगने के लिए खडे हो जायेगे... मगर झाबुआ अलीराजपुर कलेक्टर महोदय इस ओर ध्यान देंगे। ताकि ग्रामीणों को रोजगार यहीं मिल जाये या फिर कोई अन्य योजना के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएंगे। बडी बात तो यह है कि अलीराजपुर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की पत्नि रजनी सिंह ही झाबुआ कलेक्टर के पद पर पदस्थ है ऐसे में दोनों दम्पति दोनों जिले के विकास के लिए अलख जगायेंगे या फिर वही ढर्रा रहेगा।

(शेष पृष्ठ 7 पर पढ़े)

रजनी सिंह

देश का भविष्य: काम करने को बेबस बाल मजदूर

झाबुआ प्रद्युम्न वैरागी। मध्यमवर्गीय परिवार को अपना घर का खर्च तक चलाने में परेशानी होती है। घर के हर छोटे से बड़े सदस्य को मेहनत करनी पड़ती हैं ताकि पारिवारिक सदस्यों का पेट पाल सके। यही कारण है कि आजकल गरीब परिवारों के बच्चे बाल मजदूरी करने के लिए मजबूर हो रहे हैं तो कई स्थानों पर तो बच्चे बंधुआ मजदूर की तरह काम कर रहे हैं। महंगाई बढ़ने के कारण भी आम जनता हो या खास सभी के ऊपर सीधा असर देखने को मिल रहा है। लोगो के बजट पर बहुत ही बुरा असर पड़ा है।

बच्चों की शिक्षा पर भी पड़ता असर

बच्चो को पढ़ने लिखने तथा खेलने की उम्र में बच्चो से कार्य करवा रहे हैं। जो छोटे छोटे बच्चे पहले 12 से 14 वर्ष की आयु में स्कूल में पढ़ते थे वही बच्चे अब सड़को पर सब्जी बेचते या किसी दुकानदार के पास कार्य करते हुए नजर आ जाएंगे कुछ बच्चे तो बंधुआ मजदूर की तरह रईसों के घर काम करते हुए भी दिख जाएंगे।

यह किसी मानव तस्करी से कम नहीं है। इस दिशा में आजकल शासन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। देखा जाए तो बाल कल्याण विभाग, चाइल्ड केयर व अनेक एनजीओ इस दिशा में कार्य कर रहे हैं लेकिन जब बात पेट व भूख की आ जाती है तो सारे नियम कायदे ताक पर चले जाते हैं, जबकि प्रशासन विभिन्न धाराओं के तहत बाल मजदूरी करवाने वालो को 9 वर्ष तक जेल की काल कोठरी में बंद करवा सकता है लेकिन वर्तमान में शासन प्रशासन की नजर में यह अपराध गौण लग रहा है।

लक्ष्मणी में नशा मुक्ति अभियान के तहत लगा शिविर

अलीराजपुर निलेश डावर। सोमवार को को नशा मुक्त अभियान के तहत अलीराजपुर पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के आदेश अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी शिवराम तरोले व कोतवाली पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ ग्राम लक्ष्मणि मे कर नशा मुक्त अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर कोतवाली थाना प्रभारी ने उपस्थित ग्राम जन को नशा न करने की शपथ दिलाते हुए ग्राम को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया।

पुलिस द्वारा ग्राम जन को नशे के प्रकार, नशा एक बीमारी है, नशे की बीमारी से मुक्ति, नशे के बारे में पैदा हुई गलत धारणाओं व नशा प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मुख्य लक्षणों आदि की जानकारी विस्तार से देकर नशा न करने बारे लोगों को जागरूक किया गया। सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नशा मुक्त अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रुप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़कर अपना योगदान दे सकें। नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है, नशा भी छोड़ा जा सकता है, इसके लिए दृढ़ संकल्प लेना जरुरी है। व्यक्ति मनोरंजन के तौर पर नशे की शुरुआत करता है, लेकिन बाद में यह आदत में शुमार हो जाता है जिससे पूरे परिवार की मानसिक स्थिति के साथ-साथ आर्थिक स्थिति भी खराब हो जाती है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह 12 अक्टूबर को जिले के भ्रमण पर आएंगे

धार बालुसिंह बारिया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह 12 अक्टूबर से जिले के भ्रमण पर रहेंगे। प्राप्त कार्यक्रम अनुसार मंत्री सिंह 11 अक्टूबर की रात्रि 8:30 बजे उज्जैन से प्रस्थान कर 10:30 बजे धार आएंगे एवं रात्रि विश्राम करेंगे। दूसरे दिन 12 अक्टूबर को वे प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के संबंध में समीक्षा बैठक लेंगे।

इसके पश्चात दोपहर 2 बजे मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित शिविर में भाग लेगे तथा रात्रि विश्राम धार करेंगे। 13 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे कुक्षी में जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित शिविर में भाग लहंगे तथा दोपहर 2 बजे कुक्षी से रतलाम के लिए रवाना होंगे।

संकल्प ग्रुप एवं अभिव्यक्ति मंच ने दो दिवसीय लोकचित्र एवं रंग शाला का किया आयोजन

संस्था प्रमुख श्रीमती भारती सोनी ने पिथोराए पैटिंगए मांडना कला एवं वर्ली आर्ट का दिया प्रशिक्षण

झाबुआ। सामाजिक सारोकार के प्रति संवेदनशील संकल्प ग्रुप एवं संकल्प अभिव्यक्ति मंच शहर मे कलाए संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

इसी क्रम में दोनो संस्थाओं ने मिलकर विगत 7 एवं 8 अक्टूबर को जिले की लोक परंपराओं पर आधारित चित्र एवं रंग शाला का आयोजन किया। जिसमें पिथोरा पैंटिंगए मांडना कला एवं वर्ली आर्ट का सभी को प्रशिक्षण श्रीमती भारती सोनी ने दिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य एवं कला साधक प्रदीपकुमार अरोड़ा तथा प्रवीण सोनी उपस्थित रहे। इस दौरान श्री अरोड़ा ने पिथौरा कला के संबंध में विस्तृत जानकारी दी संस्था अध्यक्ष श्रीमती सोनी ने सहभागियों को पहले कागज पर सफेद मिट्टी से आकृतियां उकेरने का प्रशिक्षण दिया गया। बाद मिट्टी के पात्र पर आकृतियों को उकेरना बताया। संकल्प ग्रुप के माध्यम से प्रथम चरण में चयनित सदस्यों को यह प्रारूप समझाते हुए प्रशिक्षण दिया गया है। समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थी महिला संस्था से जुड़ी ज्योति त्रिवेदीए संगीता शाहए राधा चैहानए शशि त्रिवेदी शारदा कुमावत एवं चंदा पंवार ने अपने.अपने अनुभवों को भी साझा किया।

आधार कार्ड सेंटर पर आदिवासियों से की जा रही ठगी

संचालक करते है ग्रामीणों से अभद्र व्यवहार

आदिवासियों साथ हो रहे खिलवाड को नही सहेगा जयस- बलवेन्द्रसिंह वसुनिया

थांदला अविनाश गिरी। झाबुआ जिला जा`कि एक आदिवासी बाहुल्य जिला है जिसके अंतर्गत अधिकतर गांव में आदिवासी समाज बसता है जो कि अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए थांदला नगर पर आश्रित है ग्रामीण सुबह से यहां पर आकर मजदूरी हम्माली कर अपनी दिनचर्या चलाते हैं स नगर में कुछ ऐसे व्यापारी है जो इन्हें लूटखसोट कर अपनी जेबे भरने में लगे है ऐसा ही मामला थांदला नगर के वागड़िया फला स्कूल पर आधार कार्ड सेंटर पर देखने को मिल रहा हैस जहां पर एक ग्रामीण अपने पोता पोती के आधार कार्ड में सुधार करवाने के लिए गए थे आधार कार्ड सेंटर पर पहुंचने के बाद कुमार मोहल्ले में उन्हें एक ऑनलाइन की दुकान पर पहुंचाया गया जहां पर 1आधार कार्ड सुधार के नाम पर 200 रुपए जमा करवाए गए थे उसके पश्चात उन्हें वागड़िया फल स्कूल पर आधार कार्ड सेंटर पर पहुंचाया गया सारी डिटेल लेने के बाद उन्हें 8 दिन बाद आने का कहा गया रोनक और अनुष्का के दादाजी 8 दिन बाद वापस अपने पोता पोती का आधार कार्ड लेने पहुंचे और आधार कार्ड लेकर घर आ गए वेस्ता मावी अनपढ़ होने के कारण उन्होंने उस कार्ड को देखा नहीं 2 दिन बाद उन्हें पता चला कि इसमें जाति का सुधार तो हुआ ही नहीं साथी आधार कार्ड संचालक द्वारा जो आधार कार्ड बनाया गया उसमें माता-पिता का नाम ही नहीं और पुराने आधार कार्ड में जबकि पूरी डिटेल भरी हुई थी फिर भी आधार कार्ड संचालक द्वारा इस प्रकार की गलती की गई इनकी गलतियों के लिए कब तक इन ग्रामीणों से बार-बार पैसा लिया जायगा उसके बाद वह वागड़िया फलाह स्कूल आधार कार्ड सेंटर संचालक के पास पहुंचे और उन्होंने कहा इसमें जाति सुधार नहीं हुआ तो आधार कार्ड सेंटर संचालक द्वारा उनसे वापस से ?200 पर आधार कार्ड पर मांगे गए तो उन्होंने कहा कि किस बात के पैसे गलती आपकी है हमारी नहीं इतने में आधार कार्ड संचालक द्वारा उनके कागज लेकर फेंक दिए गए और शब्दों का उपयोग करने लगे यदि इसी प्रकार से इन गरीब आदिवासियों के साथ अत्याचार होता रहेगा और इसी प्रकार इन्हें लूटा जाएगा जब वेस्ता मावी हमारे पास अपनी समस्या लेकर आए तब हमारे द्वारा बीओ स्वरूप श्रीवास्तव को इस संदर्भ में बताया और उनसे इस बारे में पूछा तो उनके द्वारा बोला गया मेने अभी ही चार्ज लिया है यदि कुछ ऐसा हो रहा होगा तो मेरे द्वारा जरूर करवाई की जाएगी उसके बाद हमने स्कूल के अधिकारी राजू कटारा को भी कॉल कर इस संदर्भ में अवगत करवाया गया है अब देखना यह है कि यह दोनों अधिकारी इन पर कोई कार्रवाई करते हैं या नहीं या फिर ले देकर इस मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

वही जयेश जिला कारवा बलवेंद्रसिंह वसुनिया का कहना है कि इन आधार कार्ड संचालकों द्वारा निर्धारित रूपों से अधिक पैसा ग्रामीणों से लिया जा रहा है और अधिकारियों के साथ मिल अधिक पैसा वसूला जा रहा है और आदिवासी ग्रामीणों के साथ गाली गलौज की जाती है तो जयस संगठन द्वारा इस प्रकार का अत्याचार नही सहा जाएगा और इस बारे में बीओ से मिल सभी आधार की डिटेल लेकर और आधार कार्ड सेंटर पर अपने कुछ लड़कों को भी खड़ा करवा कर देखूंगा कि हमारे आदिवासी भाइयों के साथ किस प्रकार की ठगी की जा रही है।

आत्मविश्लेषण करके प्रशिक्षण के उद्देश्य को सार्थक करें पार्टी कार्यकर्ता: जामवाल

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने किया पार्टी की कार्यपद्धति को समझने का आह्वान

वॉइस ऑफ झाबुआ जितेन्द्र चौहान

प्रशिक्षण का आशय यह नहीं है कि मैं बोलूं और आप सुनते रहें। यदि हम इस प्रशिक्षण वर्ग के साथ न्याय करना चाहते हैं, तो इसकी सार्थकता तभी है, जब आप बोलें और में सुनूं। समय के साथ हमारी कार्यपद्धति में बदलाव आया है, समाज और देश में परिवर्तन आए हैं, एक दल के रूप में हमारा विस्तार हुआ है। हमारे इस प्रशिक्षण की सार्थकता तभी है जब प्रत्येक कार्यकर्ता यह आत्मविश्लेषण करे कि इन परिवर्तनों और बदलावों के बीच मैं कहां पर खड़ा हूं। क्या मुझमें वो सारे गुण हैं, जिनकी अपेक्षा एक कार्यकर्ता से की जाती है? यह बात भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने मांडव में आयोजित पार्टी के प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग के तीसरे दिन संबोधित करते हुए कही।

कार्यपद्धति का विस्तार हुआ, मूल विषय वही हैं

जामवाल ने कहा कि हमारी पार्टी 70 वर्षों से जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के रूप में चलती आ रही है। समाज में हमारा विस्तार हो, इसके लिए एक कार्यपद्धति आवश्यक है। उस समय पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पार्टी की कार्यपद्धति की रचना की थी। उसमें समय-समय पर विस्तार और बदलाव होता गया। जब हमारी कार्यपद्धति बनाई गई थी, तब हम मंडल से नीचे सोचते नहीं थे। आज पन्ना प्रमुख तक प्रक्रिया शुरू हो गई है। जनसंघ के समय एक नारा लगता था कि जनसंघ की क्या पहचान एक टूटी जीप 20 जवान। इन 20 जवानों में हमारे वरिष्ठ नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई, भंडारी जी, कुशाभाऊ ठाकरे जी जैसे लोग शामिल थे। आदर्श, विचार, त्याग, समर्पण, संकल्प इन सब विषयों के साथ पार्टी आगे बढ़ी। आज समाज की दिशा और सोच बदल गई है। राष्ट्र के विषय भी बदल गए हैं। आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी 18 करोड़ कार्यकर्ताओं की पार्टी है। परिस्थितियों के अनुसार हमारी कार्यपद्धति में बदलाव अवश्य हुए हैं, लेकिन हमारे मूल विषय आज भी वही हैं। जिस भावना के साथ देश की सीमा पर खड़ा जवान भारतमाता की जय बोलता है, उसी भावना के साथ भाजपा का कार्यकर्ता भी भारतमाता की जय बोलता है। भाजपा बलिदानों पर खडी पार्टी है और हमारा लक्ष्य देश के पुनर्निर्माण के लिए कार्य करना है।

कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को तैयार करना

जामवाल ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हमारे पितृपुरूष कुशाभाऊ ठाकरे जी की जन्मस्थली में हो रहा है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संगठन और राष्ट्र को खड़ा करने के लिए समर्पित कर दिया था। ऐसी पुण्यभूमि को मैं शत-शत नमन करता हूं। ऐसे महापुरुषों के तप से ही मध्यप्रदेश का पार्टी संगठन देश में नं.-1 माना जाता है।जामवाल ने कहा कि पार्टी के जो कार्यक्रम होते हैं, उनसे पार्टी का विस्तार तो होता ही है, नए कार्यकर्ता भी तैयार होते हैं। इन कार्यक्रमों से जुड़कर कार्यकर्ता अपना विकास करते हैं। हम जो आंदोलनात्मक या जागरूकता के कार्यक्रम लेते हैं, उनसे कार्यकर्ताओं में मूल्यों का विकास होता है। यदि हमें लगातार कार्यकर्ताओं को तैयार करना है, तो हर बार नए कार्यकर्ताओं को इनसे जोड़ना होगा।

बार-बार अभ्यास करें, स्वयं पर विश्वास रखें

जामवाल ने कहा कि यह पार्टी अनेक महापुरूषों के बलिदान पर खडी है, उनके खून पसीने से सींची गई पार्टी है। इस पार्टी को हम आगे लेकर जायेंगे और आने वाली पीढी को संदेश देंगे। यदि इस सोच के साथ हम आगे बढते है तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रशिक्षण वर्ग सफल होगा। उन्होंने कहा कि हमारे यहां कहते हैं 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान'। इसलिए कार्यकर्ता लगातार अभ्यास करें और अपना विकास करें। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि जब तक अपने आप पर विश्वास नहीं होगा, तब तक सफलता प्राप्त नहीं होगी। इसलिए अपने पर विश्वास रखिए और सफलता आपके कदम चूमेगी।

अतिथियों ने लांच किया संगठन-02 एप

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, संसदीय बोर्ड सदस्य श्री सत्यनारायण जटिया, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, महाराष्ट्र सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया ने पार्टी के एप संगठन-02 को लांच किया। इस अवसर पर आईटी विभाग के प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला एवं सोशल मीडिया विभाग के सह संयोजक सुयश त्यागी उपस्थित थे।

रामसिंग चौहान होंगे सारंगी चौकी प्रभारी

केलाश सीर्वी का हुआ झाबुआ स्थानांतरण।

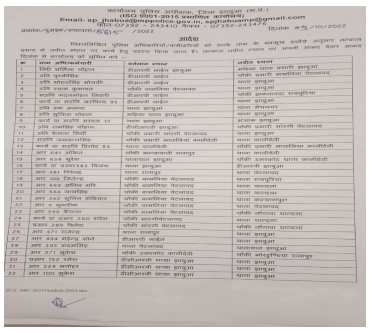

सीर्वी के कार्यकाल में आम जन में पुलिस के प्रति निराशा बड़ी थी और क्या नये चौकी प्रभारी आम जन में विश्वास जगा पायेंगे।

सारंगी सुरेशचंद परिहार। सारंगी चौकी प्रभारी के सी सीरवी का हुआ झाबुआ स्थानांतरण अब सारंगी की चौकी चौकी प्रभारी होंगे रामसिंग चैहान।केसी सीर्वी के पदस्थ होने के बाद चोरी की वारदातें बड़ी थी और एक सांई मोबाइल दुकान से एक से डेढ़ लाख रुपए के मोबाइल पर चोरों ने हाथ साफ कर दिये थे बडी बात यह रही कि के सी सीरवी ने सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद भी आज तक उस चोरी का केस भी दर्ज करना उचित नहीं समझा जिससे नगर के आम जनता के बीच पुलिस का समन्वयक नही रहा जिससे आम जनता बहुत निराशा थे और अब जो नये चौकी प्रभारी के रूप में आ रहें रामसिंग चौहान क्या आम जन के विश्वास पर कहां तक खरे उतरेंगे ओर सारंगी में बढ़ते अपरोधों पर अंकुश लगाने में सफल हो पायेंगे और अब तक जो चोरी की हुई वारदातों को खुल्लासा कर पायेंगे।

साहब अदला बदली से अपराध पर अंकुश नही लगेगा....

एसपी साहब अदला बदली की जगह नवाचार के संकल्प के साथ उतरना पड़ेगा....!

वॉइस ऑफ झाबुआ जितेन्द्र चौहान

सत्ता का कप्तान हो या किसी टीम, संगठन या जिले का कप्तान हो हर कोई अपने साथ अपना अधीनस्थ बैठाना चाहता हे ताकि अपना वर्चस्व कायम रहे, खेल सत्ता का हो या शासन प्रशासन का मुखिया के बदलते ही अदला बदली होना है ये सत्य है, परंतु ये अदला बदली से सिर्फ मुखिया का फायदा होता हे आमजन का नही,खेल सत्ता और संगठन में अदला बदली होना लाजमी है पर धीरे धीरे इसका प्रभाव अफसर शाही और नौकरशाही में भी देखने को मिल रहा है।

साहब अदला बदली से अपराध पर अंकुश नही लगेगा....

सत्ता या संगठन की अदला बदली का नमूना हर बार देखने को मिलता है वही इस अदला बदली का रूप अब प्रशासन स्तर पर भी देखने को मिलने लग रहा है,हाल ही में आए झाबुआ के जिला पुलिस कप्तान के रूप में आगम जैन को बनाया गया,जिला पुलिस कप्तान आगम जैन ने अभी जिले की चैकी और थाना की संरचना को समझा ही नहीं था की आते ही दर्जनों पुलिस कर्मचारियों की अदला बदली कर डाली,अदला बदली क्यों करी,किस लिए करी ये जिला कप्तान ही जाने? दर्जनों पुलिस कर्मचारियों के अदला बदली के साथ तीन चैकी प्रभारी पर भी गाज गिरते हुए बदल डाला,वही सारंगी में आए चैकी प्रभारी कैलाश सिरवी जिनको अभी तीन महीने भी नही हुए थे को भी बदल डाला वही स्थानीय निवासियों का कहना है की कैलाश सिरवी के हटने का कारण भाजपाई नेता बने और भाजपाइयों के कारण ही कैलाश सिरवी पर गाज गिरते हुए अन्यत्र जगह बदली कर दी,वही बामनिया में भी श्याम कुमावत जिनको आए भी कुछ महीने ही हुए थे उनको भी रवानगी देते हुए अन्यत्र स्थान पर बदली कर दिया वही बामनिया से पांच पुलिस कर्मचारियों को भी अन्यत्र जगह भेज दिया गया,सूत्रों की माने तो ये एक स्वाभाविक प्रक्रिया का हवाला बता रहे हे परंतु इस स्वाभाविक प्रक्रिया से क्या अपराध पर अंकुश लगेगा? क्या अपराध में कोई कमी आयेगी?क्या इस प्रक्रिया से जनता को कोई फर्क पड़ेगा?क्या इस प्रक्रिया से आमजन और पुलिस का व्यवहार बदलेगा?नही बदलेगा और नाही कुछ कम होगा? इसलिए साहब अदला बदली से अपराध पर अंकुश नही लगेगा.... !

एसपी साहब....अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अदला बदली नही नवाचार करना पड़ेगा...

जिले को अपराध मुक्त बनाने की मंशा से नए पुलिस कप्तान आगम जैन को अदला बदली नही अपितु नवाचार के माध्यम से झाबुआ जिले के हर गांव को अपराध मुक्त का संकल्प लेना पड़ेगा जिसके लिए पुलिस अधीक्षक जैन को श्अपराध मुक्त-झाबुआ हमाराश् के साथ शुरुवात करना पड़ेगी जिसके लिए प्रत्येक थाने और चैकी में रजिस्टर रख पुलिस सेवाओं का जनता से फीडबैक लेना पड़ेगा ताकि पुलिस के रवैया को जिला कप्तान पहचान सके।

ये करना होगा नवाचार-

प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का निराकरण किया होता है परंतु इस परिपाटी को बदलते को अब प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई के साथ ही दूरस्थ क्षेत्र के आवेदकों की समस्या का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निराकरण किया जाना चाहिए ताकि पीड़ित व्यक्ति पर आर्थिक मार नही झेलना पड़े, जिला पुलिस कप्तान को थाने में एफआईआर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को कम से कम समय में पूर्ण करने पर जोर देना चाहिए जिससे समय पर पीड़ितों को न्याय और अपराधियों को सजा मिल सके।

झाबुआ में सायबर फ्रॉड के मामलों में अब आगे बढ़ता जा रहा है,जिसको लेकर भी पुलिस कप्तान को अपने अधीनस्थ को निर्देशित करते हुए हर गांव स्तर पर जानकारी देना चाहिए ताकि ऑनलाइन का कोई भी आमजन ठगी का शिकार नही हो,ज्ञात रहे की पूर्व में भी कई आमजन इस ठगी का शिकार होते हुए लाखो से नीचे उतरे है।

जनसुनवाई में आए आवेदन या चैकी और थाने में लिखवाई गई रिपोर्ट या आवेदन कर पर कई महीने बीत जाने पर भी कोई कार्यवाही नही करते हुए पीड़ित पर दबाव बनाया जाता हे,ऐसे में भी पुलिस अधीक्षक को साप्ताहिक जानकारी चैकी या थाने से लेना चाहिए।

नशा मुक्त झाबुआ बनाने के लिए भी पुलिस कप्तान को अभियान का नवाचार के साथ आमजन के पास जाना होगा,जिले में राणापुर, काकनवानी,खवासा,सारंगी और पेटलावद,रायपुरिया से रात्रि में नेताओ के संरक्षण में नकली शराब की गाड़ियां निकलती हे के साथ भी पुलिस कप्तान को सजगता दिखानी पड़ेगी,वही जिला पुलिस कप्तान को जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नंबर आमजन को मिल सके ऐसी व्यवस्था बनानी पड़ेगी ताकि चैकी और थाना में पदस्थ कर्मचारी अधिकारी की हकीकित मालूम पड़ सके,वही चैकी हो या थाना हो अपने कार्यालय में एक रजिस्टर रखने का भी पहल पुलिस कप्तान को करना पड़ेगा ताकि स्थानीय चैकी और थाना प्रभारी की वस्तु स्थिति और व्यवहार का पता चल सके,इन्ही नवाचार को अपनाते हुए पुलिस कप्तान आगम जैन को हकिकत में अपराध पर अंकुश लगाना हे तो अदला बदली की प्रक्रिया को नही अपनाते हुए नवाचार के संकल्प के साथ उतरना पड़ेगा तभी जाकर अपराध मुक्त - झाबुआ हमारा बन पाएगा नही तो वोही अदला बदली के साथ जिले में अपराध की स्थिति ढांक के तीन पात के जेसे ही रहेगी.....!

बे मौसम बारिश से टमाटर की फसल चौपट किसान मायूस

रायपुरिया परिवेश पटेल। मौसम बारिश से क्षैत्र के किसानों की टमाटर फसल खराब हो गई चार-पांच दिनों से क्षेत्र में बारिश की वजह से टमाटर, मिर्ची के खेत के खेत चोपट हो गये पौधे सुख गये उन पर लगे फल दागी हो गये किसान दुबले के दो आसाढ़ यह कहावत चरितार्थ हो गई भरत लाल पाटीदार ने बताया की में पिछले 24 वर्षों से खेती मे अपना भाग्य आजमा रहा हूं अभी टमाटर की खेती कर रहा हु पर लगभग हर वर्ष नुकसान ही झेल रहा हु इस बार चार बीघा के खेत पर टमाटर की फसलें के पौधे लगाए थे लगभग ढाई लाख रुपये खर्च हुए टमाटर की फसल लगी ही थी और बारिश के कारण उमस बढ़ने से विल्ड की बिमारी आने से सारी फसल खराब हो गई जिससे टमाटर का पौधा सूखने लगता है जिस पर दवाई भी काम नही करती अब चिंता यह सता रही है कि खेती के लिए जो पैसा बैको ले रखा था वो कैसे चुकता किया जाए इस फसल से बहुत उम्मीदें थी कि पिछला जो खर्च था उसकी पूर्ति हो जाएगी पूरे क्षेत्र में खेत के खेत चोपट होते जा रहे है कृषक दयाराम पाटीदार,सुरेश पाटीदार बताते है कि हमने लाखो रुपए लगाए थे अब सूखती फसल देख के मायूसी छा जाती है अब कैसे आत्मनिर्भर होंगे वही सोयाबीन की फसले भी खराब हो रही है ग्राम पनास के रुमाल पिता कालू बताते है कि खेतो में पानी भरने से सोयाबीन अंकुरित हो गई है जिससे खराब हो गई ऐसी परिस्थिति में राजस्व विभाग एव कृषि विभाग के कर्मचारियों को सर्वे कर खराब फसल का पंचनामा बनाकर शासन को भेजना चाहिए जिससे उन्हें कुछ आर्थिक सहायता मिल सके एव किसानों को फसल बीमा राशी दिलवानी चाहिए।

ओलिजी की आराधना पूर्ण, तपस्वियों के पारणे कराए गए

पारा। नगर जैन समाज के परिषद परिवार द्वारा शशिबाला आयम्बिल खाते के माध्यम से साल में दो बार चैत्र और आसोज माह में होने वाली ओलिजी तप का आयोजन किया जाता है। परिषद अध्यक्ष दिलीप कोठारी ने बताया कि इन पावन दिनों में महाविदेह क्षेत्र मे लगभग 4000 करोड़ से अधिक साधु साध्वीजी भगवंत ओलीजी की आराधना करते हैं। आराधना में तपस्वियों द्वारा नौ दिनों तक आराधक क्रम से प्रत्येक पद की क्रिया करते हुए निवि वरण की सामग्री से आयम्बिल किये जाते हैं। इस आराधना में तपस्वीयों द्वारा नमक, शक्कर, घी, तेल, दूध, फल, सब्जियों लिलोत्री का त्याग कर रूखा-सूखा, उबला हुआ आहार, गर्म पानी एक ही बार में ग्रहण किया जाता है। ओलिजी की आराधना वर्ष में दो बार चैत्र और आसोज माह में आती है। देश, विदेश में लाखों जैनी ओली की आराधना हर साल करते है।ओलीजी शाश्वत तप,त्यौहार माना गया है। पन्द्रह कर्मभूमि के अंतर्गत सभी जगह शाश्वत नवपदजी की ओली की आराधना होती है। जैन धर्मानुसार इन दिनो में देवलोक के देव भी समस्त भोग विलास छोड़कर नंदीश्वर द्वीप में अठाई महोत्सव आयोजित करके इस शाश्वती पर्व की उजमणी करते हैं। शास्त्रो में उल्लेख है कि सिद्धचक्र की आराधना करने से रोग,शोक, दु:ख संताप, आधी, व्याधि दूर हो जाते हैं। जिसमे श्रीपाल राजा और मयणा सुंदरी का द्रष्टांत प्रमुख हैं। सोमवार को पारा में भी सामुहिक पारणे के साथ नवपद ओलिजी का समापन स्थानीय महावीर भवन में होगा एवं सभी तपस्वियों का किया बहुमान श्रीसंघ एवं परिषद परिवार द्वारा किया जाएगा।

पारा-रजला में दर्जन भर से अधिक अवैध शराब की दुकानें

पुलिस कप्तान साहब कार्यवाही फिर भी शून्य।

दर्जन भर से अधिक शराब दुकानें कार्यवाही सिर्फ एक बहुत ना इंसाफी है...!

वॉइस ऑफ झाबुआ।

प्रदेश के मुखिया अवैध नशा कारोबारियों को लेकर जहां सख्त दिखाई दे रहे हैं वहीं जिले के पुलिस अधीक्षक आगम जैन ने भी इन अवैध शराब कारोबारियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं मगर पुलिस समेत विभाग के आला अधिकारी इन क्षेत्रों में कार्यवाही करने से बच रहे हे और आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही है जबकि पारा और रजला समेत क्षेत्र में अवैध शराब की दर्जन भर से अधिक दुकानें खुले रूप से किराना व अन्य व्यवसाय की आड़ में विभिन्न दुकानों पर संचालित होरही है पिछले लंबे अरसे से इस इलाके में कोई भी बड़ी कार्यवाही पुलिस की ओर से नही हुई है कार्यवाही हुई भी तो छोटी मोटी ग्रामीणजन जो टपरी में एक पेटी दो पेटी शराब बेचने वालो पर हुई पारा के अंदर अवैध शराब दुकानें चारो कोनो पर संचालित है जिसमे शासकीय कन्या शाला के सामने, बोरी रोड ,मछली मार्केट,रानापुर रोड पर सुबह से लेकर आधी रात तक सुविधा उपलब्ध होती है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अवैध शराब कारोबारियों की जुबानी माने तो कहते फिर रहे हैं की हमारी तरफ से भरपूर महीना बंदी जाती है हमें कोई डर नहीं। अब एसपी साहब गरीब वर्ग के लोगो के नशे की जद से घर बर्बाद होने से आप ही बचा सकते हो।

क्या साहब आप भी कमाल करते हो....!

लोगों की जान से खिलवाड़ करने वालों को ही आगवान करते हो...!

कुछ औचक निरीक्षण फर्जी चिकित्सकों के लिऐ भी जरूरी कलेक्टर महोदया..!

वॉइस ऑफ झाबुआ

ये कैसा दोहरा चरित्रतार्थ जिले के ओर सिविल हॉस्पिटल में वरिष्ठ डॉक्टरों का जो कुछ फर्जी चिकित्सकों के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ खिलवाड़ करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा हैं। सब जानते है ये अपनी पैथीं को छोड़कर दूसरी पैथीं में इलाज करने वाले हैं। फर्जी चिकित्सकों कि श्रेणी में आते हैं।

क्या सत्ता के द्वारा बनाए गए प्रकोष्ठ का फर्जी चिकित्सक समाज में सेवा के नाम पर अपने संगठन को मजबूत कर यह दिखाना चाहते हैं कि हम फर्जी चिकित्सकों की श्रेणी में नहीं आते हैं अगर यह फर्जी चिकित्सकों की श्रेणी में नहीं आते हैं तो सरकार इन्हें खुले तौर पर छूट क्यों नहीं दे देती कि ये फर्जी चिकित्सकों की श्रेणी में नहीं आते है। सत्ता से मिला संरक्षण इनके हौसले को बुलंद करता है कि हम सत्ता के साथ मिलकर समाज सेवा के नाम पर लूट कर सकते हैं। जिले भर में कुछ ऐसे फर्जी चिकित्सक हैं जिन्होंने अपने बड़े-बड़े नर्सिंग होम संचालित कर रखें हैं जबकि देखा जाए तो इनके पास इस तरीके के नर्सिंग होम चलाने के कोई भी दस्तावेज नहीं होंगे क्योंकि जब यह अपनी पैथीं में इलाज भी नहीं कर रहे हैं तो फिर इस तरीके के नर्सिंग होम चलाने के लिए जिले के आला अधिकारी क्यों इन्हें अपना मौन समर्थन दे रहे हैं। इन फर्जी चिकित्सकों के रोब तो ऐसे हैं जैसे यह किसी मेडिकल ऑफिसर से भी कम नहीं है इनका बस नहीं चले नहीं तो यह तो बाईपास सर्जरी से लेकर जितनी भी बड़ी सर्जरीया हो वह सब यहीं पर कर दें और अपने आप को किसी मास्टर सर्जन ओर एम डी से कम नहीं समझते। जिले के स्वास्थ्य अधिकारी से लेकर खंड स्वास्थ्य अधिकारी सब यह जानते हैं कि कहां पर कौन किस तरीके से अपनी पैथीं को छोड़कर दूसरी पैथीं में इलाज कर रहा है। फिर भी कार्यवाही के नाम पर यह दो चार फर्जी चिकित्सक पर कार्यवाही करके यह साबित कर देते हैं कि हमने फर्जी चिकित्सकों पर कार्यवाही की है अब आप जानो और आपका काम जाने बाकी सब कुछ राम जाने... !

मिस्त्री को ब्रांड एंबेसडर एवं लीडरशिप अवार्ड से किया सम्मानित

मेघनगर। रोटरी क्लब अपना मेघनगर के अध्यक्ष ने यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जाहीर करते हुए रोटरी क्लब अपना के नॉमिनी आरटीएन भारत मिस्त्री को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के 2022 के लिए सस्टेनेबल कम्युनिटी सर्विस लीडर अवार्ड एवं कम्युनिटी सर्विस ऑनर के ब्रांड एंबेसडर और रोटरी क्लब अपना मेघनगर को सस्टेनेबल कम्युनिटी सर्विस क्लब अवार्ड से सम्मानित किया गया है। कुल 5 अवार्ड प्राप्त हुएं। रोटरी क्लब ऑफ सोनकच्छ द्वारा आयोजित पप्पू एंड पप्पू रिसोर्ट, भोपाल रोड, दौलतपुर, सोनकच्छ में 9 अक्टूबर 2022, रविवार को इंटरसिटी मीटिंग के दौरान रोटरी मंडल 3040 के गवर्नर जिनेन्द्र जैन ने रोटरी क्लब अपना मेघनगर के स्थाई प्रकल्प वातानुकूलित शवगृह, रोटरी चिकित्सा उपकरण बैंक,एवं रोटरी फिजियो थेरेपी सेंटर का पिछले 5 वर्ष से सफलता पुर्वक संचालित कर रहे हैं इन प्रकल्पो से जरुरतमंदों को लाभान्वित किया है साथ ही इन सभी प्रकल्पो का संचालन करने वाले हमारे क्लब के संस्थापक अध्यक्ष जो की रोटरी के लिए 24 घंटे समर्पित दिन हो या रात सदैव तैयार रहते हैं ऐसे समर्पण भावी भरत जी मिस्त्री को ब्रांड एम्बेसडर अवार्ड एवं लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया भरत भाई कि मेहनत के कारण ही रोटरी क्लब अपना को यह अवार्ड प्राप्त हुएं हैं सम्मानित होने मंयंक रांका, जयंत सिंघल मांगीलाल नायक,महेश प्रजापति, पंकज रांका निलेश भानपुरीया, सुमित जैन,राजेश भण्डारी, महेंद्र सोलंकी, बहादुरसिह चैहान, विनोद बाफना, डॉक्टर किशोर नायक, गोविंद सिंह चैहान, कांतिलाल निमा, दिपक व्यास, कयुम खान, इरफान शैरानी, हिमाशु जोशी, माया शर्मा,प्रेमलता भट्ट, कुसुम सोलंकी, चंदनबाला शर्मा,आदि ने बधाई दी।

नगर में हुआ भव्य खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन

देर रात तक बाबा के भजनों पर झूमे भक्त

भजन संध्या को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया।

खवासा रितिक परमार। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी खवासा में श्री श्याम परिवार द्वारा धूमधाम से शरद पूर्णिमा महोउत्सव मनाया गया चैथी बार नगर में शरद पूर्णिमा पर बाबा का कीर्तन रविवार को किया गया जिसमें बाबा का आलोकित श्रंगार श्री श्याम परिवार बड़ी सरवा द्वारा किया गया,बाबा की ज्योत लगा कर भक्तों ने अपने मन का भाव बाबा को सुनाए,रात्रि 9 बजे पूजन अर्चना कर भजन संध्या पारम्भ की गई।

प्रसिद्ध भजन गायकों ने सुनाए भजन

जिसमें सवर्प्रथम कोटा से पधारे दीक्षा राठौर ने बाबा के एक से बढ़ कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जिमसें गणेश वंदना से कार्यक्रम की सुरुआत की जिसके बाद ,म्हारा कीर्तन में रस बरसाओ,खाटू वाले श्याम तेरी शरण मे आ गयो के साथ कई भजनों की प्रस्तुति दी इनके बाद जयपुर से पधारे सुप्रशिद्ध भजन गायक चेतन दधीच ने बाबा के चरणों मे भाव भरे भजनों की प्रस्तुति दी जिसमे आयो सवारियों सरकार लीले पर चढ़कर,आज बिरज में होरी रे रसिया एवं मारवाड़ी भजन की प्रस्तुति दी जिसमे श्याम प्रेमी अपने आप को थिरकने से नही रोक पाए एवं देर रात तक जमकर थिरके एवं बाबा के भाव विभोर भजनों के साथ बाबा को अपने मन के विचार बताए।

बाबा के परम भक्त ने दिया आशिर्वाद

देवास से पधारे बाबा के परम भक्त रजनीश अग्रवाल ने भक्तों को आशिर्वाद दिया एवं समिति द्वारा इनका स्वागत किया गया।

रात्रि में किया महाप्रशादी का वितरण

समिति द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर रात्रि में 12 बजे केसरिया दूध का वितरण भी किया गया एवं रात्रि में 1रू30 बजे आरती के बाद बाबा को 56 भोग लगाकर महाप्रशादी का वितरण भी किया गया,भजन संध्या में आस पास के ग्रामीण भी बाबा का भजन सुनने पधारे थे भजन संध्या का उत्साह महिलाओं में काफी देखा गया पूरा पण्डाल महिलाओं द्वारा पूरा भरा दिख रहा था। सफल आयोजन के लिए समिति ने आभार व्यक्त किया।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर त्रिमूर्ति कालिका माता मंदिर समिति पर कल रात्रि को धार्मिक आयोजन व गरबे का आयोजन हुवा

थांदला अविनाश गिरी। थांदला नगर के ऋतुराज कॉलोनी मुख्य मार्ग पर स्थित त्रिमूर्ति कालिका माता मंदिर पर कल 9 अक्टूबर रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर रात्रि में 8रू30 बजे आरती के पश्चात गरबो का आयोजन किया गया जो रात्रि के 12 बजे तक चला रात्रि 12 बजे महाआरती की गई उसके बाद महा प्रसादी में 101 लीटर साबूदाने के खीर का वितरण किया गया 5 साल से लगत त्रिमूर्ति कालिकमता मंदिर समिति द्वारा नवरात्र व शरद पूर्णिमा का आयोजन करवाया जा रहा है जिसमें नगर की जनता का तन मन धन से पूरा सहयोग मिल रहा है स साथी शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु अपने घर पर सब दाने की खीर बनाकर अपने घर की छतों पर खीर रख रात्रि 12रू00 बजे का इंतजार करते हे कहा जाता है कि इस दिन चंद्रमा से अमृत की बूंदे बरसती है स उसके पश्चात सभी लोग खीर का भगवान को भोग लगाकर प्रसादी ग्रहण करते हैं साल में कुछ न कुछ ऐसी तिथियां होती हैं, जो बेहद शुभ मानी जाती हैं। इस दौरान कई काम करने से मनचाह फल मिलता है और कई बिगड़े काम तक बन जाते हैं। जैसे- पूर्णिमा को ही ले लीजिए। वैसे तो पूर्णिमा का अपना महत्व होता है, लेकिन बात जब शरद पूर्णिमा की होती है तो इस तिथि को खास माना जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इस साल शरद पूर्णिमा 9 अक्टूबर 2022 आज रविवार के दिन मनाई गई। इस दिन मंदिरों में और लोग अपने-अपने घरों में मां लक्ष्मी की विशेष पूजा अर्चना करते हैं और उनसे मन चाह फल भी मांगते हैं। कहा जाता है कि अगर इस दिन पूरे तन-मन से मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना की जाए, तो हर मुराद पूरी होती है।

समिति के सदस्यों का रहा विशेष योगदान मयूर पंचाल, विक्की पडियार, अविनाश गिरी, महेश सिसोदिया, मुकेश सिंगाड, विक्रम सिगाड़ कमलेश दायजी, सनी पवार, छोटू पवार, हिमांशु मनसारे, आकाश भामन, अमृत मार साहब, आदि समिति के सदस्य का पूरा पूरा सहयोग रहा।

पेज 1 से जारी

जरा गाडी के कांच उतार के तो देखों नेताजी..!

असमय भुगतान मुख्य समस्या

मनरेगा में असमय भुगतान व हर समय काम नहीं मिलने के चलते ग्रामीण पलायन करने को मजबूर हैं। यहां कृषि मजदूरी पर आश्रित ज्यादातर गरीब वर्ग के लोग खेती का काम समाप्त होने के बाद खाली हो जाते हैं। मनरेगा जैसी योजना का अंचल और पूरे जिले में बुरा हाल है। पुराने काम अधूरे पड़े हैं। लोगों को उनके काम का भुगतान नहीं हुआ। नए काम प्रशासन शुरू नहीं करवा पा रहा। लिहाजा पूरे अंचल में काम के अभाव में मजदूरों को मजबूरी में पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे में काम के अभाव में वे पलायन करने के मजबूर हो जाते हैं।

प्रशासन को नही चिंता नाबालिग भी करते हैं पलायन

ज्यादातर परिवार अपने साथ छोटे बधों को भी ले जाते हैं इससे उनकी पढ़ाई छूट जाती है। ऐसे में शाला त्यागी बधों की संख्या भी बढ़ रही है और मासूम बधों का बचपन भी छिन रहा है।

साल-दर-साल बढ़ता पलायन प्रशासन और नेताओं के लिए कभी सरदर्द का विषय नहीं रहा। सिर्फ चुनाव के समय नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देती हैं, वह भी वोट के लिए। पूरे जिले में अरबों रुपए विकास के नाम पर खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद आदिवासियों को रोजगार नहीं मिलना चिंता का विषय है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इसका चिंतन कभी नहीं किया। यही मसला बीते चुनावों में सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया था। मजदूरों की परेशानी न तो नेता समझ रहे हैं और न ही अफसर, प्रशासन और जनप्रतिनिधि आदिवासी लोगों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में उपयोग कर रही हैं।

इंदौर में बनेगा सोया सीड्स पार्क

हाई क्वालिटी के सीड्स तैयार होंगे, देश के किसानों को मिलेगा फायदा; जल्द मिलेगी जमीन

स्वच्छता में देश में छह बार परचम लहराने वाले इंदौर में जल्द ही सोयाबीन सीड्स पार्क बनाया जाएगा। इस सोयाबीन हब में हाई क्वालिटी के बीज तैयार होंगे जिसका फायदा मप्र के किसानों को ही नहीं बल्कि देशभर के किसानों को मिलेगा। अच्छी क्वालिटी के बीज तैयार होने से प्रोडक्टविटी बढ़ेगी और एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे किसान तो आत्मनिर्भर बनेंगे ही देश को भी भी फायदा होगा और प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ेगा। सरकार सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिशन ऑफ इंडिया से समन्वय कर इंदौर में आईटी पार्क की तरह सोया सीड्स पार्क स्थापित करेगी। इसके लिए जल्द ही जमीन उपलब्ध कराएगी।

यह बात प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सोयाबीन इंटरनेशनल कॉन्क्लेव में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाला बीज देगी जिससे तो उत्पादन अच्छा होगा व किसानों की आय बढ़ेगी।

देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'आत्मनिर्भर भारत' में किसानों का सोयाबीन में खासा योगदान है। हमारा प्रदेश सोया प्रदेश कहलाता है। देश में सबसे ज्यादा 50% से ज्यादा सोया उत्पादन मप्र में होता है। मप्र का बीज पूरे महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान जाता है इसलिए मप्र में मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सोपा से आह्वान किया है कि इंदौर में सोयाबीन के बीज बनाने के लिए इण्डस्ट्रियल हब बने।

खेती के साथ व्यापार-व्यवसाय व उद्योग भी लगा सकेंगे किसान

उन्होंने कहा कि जैसे आईटी पार्क है वैसे ही सोया बीज पार्क बनाया जाएगा। उसके लिए सरकार जमीन भी उपलब्ध कराएगी। सोपा ने इसके लिए सहमति दी है। सोयाबीन सीड्स पार्क में अच्छा बीज बनेगा तो उत्पादन बढ़ेगा व किसानों की आय बढ़ेगी। किसान आत्मनिर्भर होगा तो देश भी आत्मनिर्भर होगा और किसानों की आय दोगुनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को एमएसपी नहीं एमआरपी बना रहे हैं। किसान खेती भी करेगा, व्यापार-व्यवसाय भी करेगा और उद्योग भी लगाएगा ताकि गांवों में अन्य को भी रोजगार मिलेगा। किसानों की आय बढ़े इस पर और भी मंथन कर रहे हैं। सोपा ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छी टेक्नोलजी के साथ बीजों को तैयार किया है। सोपा और भी अनुसंधान करे, किसानों को अच्छे किस्म के बीज बनेंगे तो किसान प्रोत्साहित होंगे।

एक्सपोर्ट चार्ज में राहत को लेकर केंद्र को लिखा पत्र

उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट व परिवहन शुल्क में रियायत को लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। देश से जितना ज्यादा एक्सपोर्ट होगा उतना देश को फायदा होग। ऐसे में हमारे यहां की इण्डस्ट्री भी पनपेगी और किसानों को अच्छे रेट भी मिलेंगे। सरकार छोटे किसानों को चने, मूंग आदि के निःशुल्क बीज उपलब्ध कराती है व सबसिडी भी देती है। यह सरकार ही किसानों की है। सोयाबीन सीड्स पार्क बनने से देश में बीज बढ़ेगा और प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन बढेगा।

फाइव ट्रिलियन इकोनामी बनाने के कम करना होगा इम्पोर्ट : गडकरी

कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वचुर्अली उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि फाइव ट्रिलियन इकोनामी बनाने के लिए देश में आयात कम करना होगा। भारत खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आयातक है। देश में सोयाबीन की उत्पादकता अमेरिका और दक्षिण अमेरिकी देशों के मुकाबले काफी कमजोर है। अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना में प्रति एकड़ सोयाबीन 26 से 30 क्विंटल होती है हमारे यहां सिर्फ 5 क्विंटल पैदावार होती है। ऐसे में बीजों के विकास पर ध्यान देना होगा।

गडकरी ने सुझाव दिया कि प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्य होने के नाते मप्र को अलग से सोया नीति बनाना चाहिए। उन्होंने सोया से खाद्य उत्पादों के विकास से लोगों को अच्छा प्रोटीन मिल सकेगा। देश का सोया मील विदेश में जाने की बजाय यहीं उपयोग होगा और अच्छी कीमतें मिलेंगी। उन्होंने किसानों की स्थिति सुधारने के लिए अब कृषि उपजों से ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन बनाने जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। किसान न केवल अन्नदाता बल्कि उर्जा प्रदाता भी बन सकेगा।

एक्सपोर्ट में छूट दें सरकार : डॉ. जैन

सोपा के चेयरमेन डॉ. डेविश जैन ने विदेश से आयात होने वाले खाद्य तेलों की मात्रा पर नियंत्रण का मांग करते हुए कहा कि इससे किसानों को सोयाबीन का सही मूल्य मिल सकेगा। सोयामील निर्यात पर सरकार को निर्यात इन्सेंटिव के रूप में कुछ छूट या राहत देना चाहिए। इससे भारतीय सोया मील विदेशी प्रतिस्पर्धा में टिक सकेगा। निर्यात बढ़ेगा तो किसानों को अच्छी कीमत मिलेगी। सोपा ने विभिन्न मांगों के साथ अगले महीने तेल आयात पर नियंत्रण और अन्य मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की बात भी कही।

ज्तो किसान बांस लगाने पर होगा मजबूर : पटेल

महाराष्ट्र के किसान नेता पाशा पटेल ने कहा कि यदि किसानों को सोयाबीन की कीमतें सही नहीं मिली तो वह सोयाबीन उगाना छोड़कर बांस उगाने पर जोर देगा। देश में प्रति एकड़ सोयाबीन का उत्पादन 2 से 3 क्विंटल से ज्यादा नहीं है जबकि विदेशों में 20 से 25 क्विंटल तक उत्पादन है।

इन उद्योगों को मिले अवार्ड

देश के दस सोयाबीन उद्योगों को सोया प्रोसेसिंग के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए कॉन्क्लेव में पुरस्कृत किया गया। सोयामील के सबसे ज्यादा एकसपोर्ट के लिए अवि एग्रो बिजनेस, प्रेस्टिज फीड मील और गुजरात अंबुजा क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला। सोयाबीन प्रोसेसिंग के लिए भी तीनों उद्योग पुरस्कृत हुए। इसी के साथ मर्चेंट एक्सपोर्ट अवार्ड गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट को मिला। एक्सपोर्टर और वेल्यु एडेड अवार्ड सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शन, अडानी विलमर और अवि एग्रो को दिया गया।

पातालपानी के झरने से कूदा अधेड़, मौत

इंदौर। शहर के पास आने वाले पर्यटक स्थल पातालपानी में रविवार को 53 साल के व्यक्ति ने झरने से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। आत्महत्या करने का कारण अभी तक अज्ञात है। मृतक का नाम सुरेश पिता धन्नालाल है जो कोदरिया के केशव नगर का रहने वाला है।घटना की जानकारी उस समय लगी, जब परिवार के लोग मृतक को ढूंढते-ढूंढते पातालपानी झरने तक जा पहुंचे। इस दौरान झरने के ऊपर ही मृतक की चप्पल पड़ी दिखाई दी। जिसके बाद यहां मौजूद ग्रामीणों ने मृतक को ढूंढने का प्रयास किया तो मृतक का शव झरने के आगे नदी में दिखाई दिया।

बल्लियों के सहारे उपर लाए शव-इसके बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर मृतक के शव को बल्लियों के सारे बांधकर झरने से पर लाया गया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धोखाधड़ी में फरार डॉ. रमेश बदलानी गिरफ्तार

इंदौर। मॉर्डन डेंटल कॉलेज के संचालक डॉ. रमेश बदलानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। डॉ. बदलानी पर आस्था फाउंडेशन की कार्यकारिणी में फेरबदल कर अवैध लाभ कमाने के मामले में केस दर्ज है। पुलिस इस मामले की लंबे समय से जांच कर रही है। इस मामले में डॉ. बदलानी सहित अन्य आरोपी हैं। पुलिस ने रविवार को पहली गिरफ्तारी की है। कनाडिया पुलिस ने 7 मार्च 2022 को डॉ. बदलानी सहित 42 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इन पर धारा 420 सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है।

गोलीकांड के आरोपी रासुका की कार्रवाई, जेल भेजा

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र के कबीटखेड़ी इलाके में बदमाश पर गोलियां चलाकर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने विक्की उर्फ विक्रम पर रासुका की कार्रवाई करते हुए उसे सेंट्रल जेल में भेज दिया।

हीरानगर थाना क्षेत्र के आदतन बदमाश विक्की उर्फ विक्रम निमजे ,टापू नगर जिसके विरुद्ध पांच केस पहले से ही दर्ज हैं उस पर रासुका की कार्रवाई की गई है। उसने गत दिनों अपने साथियों के साथ मिलकर हीरानगर में आशु उर्फ कमलेश पिता अशोक हंसारी की हत्या के उद्देश्य से अन्धाधुंध गोलियां चलाई थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे महाकाल लोक का भव्य शुभारंभ

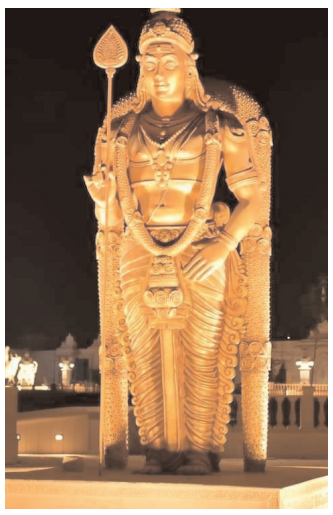

वॉइस ऑफ झाबुआ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाकाल लोक कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे और उसके बाद कार्तिक मैला ग्राउंड में जनसभा संबोधित ओर आयोजित कैलाश खेर की संगीत मई प्रस्तुति होगी।

पृथ्वी की नाभि पर सनातन संगम होने जा रहा हैं पृथ्वी का नाभि स्थल है महाकाल की यह न उज्जैन यानी उज्जयिनी यानी आदि काल से देश की सांस्कृतिक राजधानी। महाकाल की यह नगरी भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली रही है। मध्य प्रदेश के बीचोंबीच स्थित धार्मिक और पौराणिक रूप से दुनिया भर में प्रसिद्ध उज्जैन को मंदिरों का शहर भी कहते हैं। शिप्रा नदी के तट पर बसे इस शहर में हर 12 वर्ष में सिहंस्थ कुंभ का आयोजन किया जाता है। बताया जाता है कि पवित्र शिप्रा नदी में डुबकी लगाने मात्र से लोगों को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

देश की कर्क रेखा उज्जैन से ही गुजरती है। बताया जाता है कि देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल मंदिर जहां स्थित है वह पृथ्वी का नाभि स्थान है और धरा का केन्द्र भी है। इसलिए खगोल, वेध, यंत्र और तंत्र के लिए उज्जैन का विशेष महत्व है। यहां महाकाल के निराकार शिवलिंग की पूजा होती है।

महाकाल ज्योतिर्लिंग एकमात्र ज्योतिर्लिंग है जो दक्षिणमुखी है। तंत्र की दृष्टि से उनका विशिष्ट महत्त्व है। महाकालेश्वर मंदिर के शिव लिंग के बारे में माना जाता है कि वे यहां स्वयं प्रकट हुए हैं। पुराणों के अनुसार इसकी स्थापना स्वयं प्रजापिता ब्रह्माजी ने की थी। मंदिर के प्रथम तल पर महाकालेश्वर, द्वितीय तल पर ओंकारेश्वर और तृतीय तल पर नागचंद्रेश्वर लिंग है। श्रद्धालुओं को नागचंद्रेश्वर लिंग का दर्शन सिर्फ नाग पंचमी के अवसर पर होता है।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में भगवान गणेश, कार्तिकेय और मां पार्वती की प्रतिमाएं हैं। मंदिर के भीतर छत पर चांदी से बना एक विशाल रूद्रयंत्र है। इसके ठीक नीचे भगवान महाकालेश्वर का ज्योतिर्लिंग है। महाकाल के द्वार के सामने नंदी की प्रतिमा है। माना जाता है कि महाकाल के दर्शन मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। मंदिर परिसर में एक छोटा सा तालाब भी है जिसे कोटितीर्थ कहा जाता है।

महाकाल मंदिर में हर सुबह 4 बजे भस्म आरती होती है। भस्म आरती देखने के लिए 4 बजे सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है। भस्म आरती के समय का दृश्य बहुत ही अद्भुत रहता है। यह बड़ा ही रोमांचित करने वाला होता है। यह जीवन पर्यंत याद रखने वाला अनुभव होता है। इसके साथ ही महाकाल में सोमवार, महाशिवरात्रि, सोमवती अमावस्या, पंचकोसी यात्रा और सावन के महीने में काफी भीड़ रहती है।

क्यूआर कोड को स्कैन करके भी देखा और सुना जा सकता है महाकाल लोक का वर्णन।

वेद पुराण और इतिहास का मंथन का संपूर्ण भावीय चित्रण कॉरीडोर पर बनी मूर्ति आकृतियों का आकर्षण एक विशेष महत्व रहेगा।

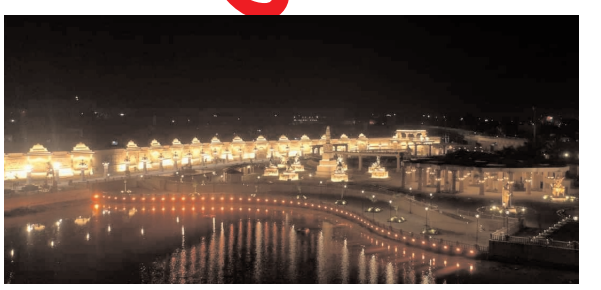

महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की नगरी के मंदिर का पुनर्निर्माण ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के संस्थापक महाराजा राणोजी सिंधिया ने कराया था। बाद में उन्हीं की प्रेरणा पर यहां सिंहस्थ समागम की भी दोबारा शुरुआत कराई गई।

बाबा महाकाल मंदिर उज्जैन काल उसका क्या बिगाड़े जो भक्त हो महाकाल का... !

स्वामी एवं प्रकाशक, मुद्रक - निकलेश डामोर द्वारा श्री सांई ग्राफिक्स 1, सुभाष मार्ग इंदौर से मुद्रित एवं चैतन्य मार्ग दिलीप गेट के पास,झाबुआ म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक निकलेश डामोर मो. 9713105123
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाबुआ रहेगा ।)